गन्ने का उत्पादन

२७७. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जावा, सुमात्रा, फीजी और मारिशस की तुलना में भारतवर्ष में गन्ने का प्रति एकड़ उत्पादन कम है; और

(ख) भारत में गन्ने के प्रति एकड़ उत्पादन में वृद्धि करने के लिये क्या विशेष प्रयत्न किये जा रहे हैं ?

t [SUGARCANE PRODUCTION

277. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that per acre production of sugarcane in India is less in comparison to per acre production in Java, Sumatra, Fiji and Mauritius; and

Ob) what special efforts are being made to increase the per acre production of sugarcane in India?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री एस० के० पाटिल) : (क) भारत में गन्ने की प्रति एकड़ उपज जावा, सुमात्रा और मारिशस की तुलना में कम है, लेकिन यह फीजी के उत्पादन के लगभग बराबर है ।

(ख) अधिक गन्ना विकास-कार्य, विशेषकर कारखानों के क्षेत्रों में, किया जा रहा है ताकि गन्ने की सुधरी किस्मों के प्रयोग के द्वारा भूमि की प्रति एकड़ गन्ने की अधिक उपज प्राप्त हो । मुख्य रूप से ध्यान ऐसे उपायों की ओर आकर्षित किया जाता है जैसे सिंचाई, खाद देना, सुधरे बीजों का प्रयोग, खेती की सुधरी किस्मों को दिखा कर किसानों के खेतों में प्रचार और प्रदर्शन, पौधा-रक्षा इत्यादि ।

f[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI S. K. PATIL):

tn English translation.

(a) The acre yield of sugarcane in India is less than that of Java, Sumatra and Mauritius but it is practically the same as in Fiji.

(b) Intensive Sugarcane development work, specially in factory areas, is being carried out so as to obtain larger yields of sugarcane per unit of land by introduction of improved varieties of sugarcane. Attention is chiefly focused on such measures as irrigation, manuring, the use of improved seed, propaganda and demonstrations in the cultivators fields showing improved methods of cultivation, plant pdotection, etc.]

DETENTION OF WAGONS ON DABRA RAILWAY STATION

278. SHRI R. S. KHANDEKAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the following goods wagons were un usually detained at Dabra Railway Sta tion on the Central Railway:

R/R	*Wagon No.*
845614 10-7-61	17039
845615 10-7-61	90509
845616 10-7-61	18419
845617 10-7-61	71774
845618 10-7-61	57671

(b) if so, the reasons for their detention;

(c) when they were moved from the said Railway Station;

(d) whether any representation by the Madhya Pradesh Chamber of

Commerce was received by the concerned authorities; and

* (e) if so, what action was taken in the matter?

[fTHE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI S. V. RAMASWAMY): (a) Yes.

(b) Due to difficult operating conditions which were prevailing on the Jhansi Division at the time, the wagons in question were detained at Dabra station.

•(c) On 30th July, 1961.

(d) Yes.

(e) Madhya Pradesh Chamber of Commerce were advised that detention was due to difficult operating position on Jhansi Division during that period.

चीनी का निर्यात

२७९. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरडिया : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन किन देशों ने भारतीय चीनी का आयात करना स्वीकार कर लिया है ; और

(ख) किन किन देशों के साथ भारतीय चीनी की खरीद के लिये बातचीत की गई है ?

t[SUGAR EXPORT

279. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the names of the countries which have agreed to import Indian sugar; and

(b) the names of the countries with which negotiations for the purchase of Indian sugar have been made?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ए० एम० थामस) : (क) और (ख) एक सरकार से दूसरी सरकार के आधार पर केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बातचीत हुई है । उस देश ने १९६२ की पहली छमाही में ५०,००० छोटे टन चीनी का आयात करना स्वीकार कर लिया है । कनाडा, मलाया, पाकिस्तान, अदन और लाल सागर के कुछ बन्दरगाहों के आयातकों को भी चीनी बेची गयी है ।

t[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. M. THOMAS): (a) and (b) - Negotiations on Government to Government basis have been made only with the U.S.A. That country has agreed to import 50,000 short tons of sugar during the first half of 1962. Sales have also been made to importers in Canada, Malaya, Pakistan, Aden and some other Red Sea Ports.]

भारतीय रेलों पर अस्थायी अधिकारी तथा कर्मचारी

२८०. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरडिया : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय रेलों पर काम करने वाले किस किस पद के कितने कितने अधिकारी तथा कर्मचारी ऐसे हैं जो एक ही पद पर दो वर्ष से अधिक सेवा कर चुकने के बाद भी अस्थायी हैं; और

(ख) उक्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों में से कितने स्थायी प्रकार के काम पर लगे हुये हैं और कितने अस्थायी प्रकार के काम पर लगे हुए हैं ।